नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

डेयरी क्षेत्र : सफलता और सवाल

मध्यप्रदेश में डेयरी क्षेत्र को लेकर जो ताजा आंकड़े सामने आए हैं, वे केवल प्रगति के संकेत नहीं हैं, बल्कि सहकारिता मॉडल की प्रभावशीलता का भी प्रमाण हैं. वर्ष 2025-26 में 1752 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन और 701 निष्क्रिय समितियों का पुनर्जीवन, राज्य की डेयरी नीति के ठोस क्रियान्वयन को दर्शाता है. इन सक्रिय प्रयासों का परिणाम है कि प्रतिदिन 9 लाख 67 हजार किलोग्राम दुग्ध संकलन संभव हो पाया है. यह उपलब्धि न केवल प्रशासनिक सफलता है, बल्कि लाखों ग्रामीण परिवारों की आर्थिक धड़कनों से जुड़ी हुई है.

डेयरी क्षेत्र भारत के ग्रामीण ढांचे की रीढ़ माना जाता है. मध्यप्रदेश जैसे राज्य, जहां कृषि पर निर्भर आबादी का बड़ा हिस्सा छोटे और सीमांत किसानों का है, वहां डेयरी गतिविधियां आय के स्थायी स्रोत के रूप में उभरती हैं. ऐसे में सहकारी समितियों का विस्तार और उन्हें सक्रिय बनाना केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का माध्यम है .नई समितियों का गठन यह दर्शाता है कि सरकार गांव-गांव तक डेयरी नेटवर्क को फैलाने के लिए गंभीर है. वहीं, निष्क्रिय समितियों को पुनर्जीवित करना यह संकेत देता है कि केवल विस्तार ही नहीं, बल्कि पहले से मौजूद संरचनाओं को सुदृढ़ करना भी प्राथमिकता में है. अक्सर देखा गया है कि योजनाएं शुरू तो होती हैं, लेकिन समय के साथ उनकी गति धीमी पड़ जाती है. ऐसे में 701 समितियों को फिर से सक्रिय करना एक सकारात्मक और व्यावहारिक पहल है.

दुग्ध संकलन के आंकड़े इस पूरी प्रक्रिया की सफलता को प्रमाणित करते हैं. प्रतिदिन लगभग 10 लाख किलोग्राम के करीब दूध का संग्रहण यह बताता है कि ग्रामीण स्तर पर उत्पादन और विपणन की श्रृंखला मजबूत हो रही है. इससे किसानों को नियमित आय मिलती है, जो कृषि के अनिश्चित स्वरूप के बीच आर्थिक स्थिरता प्रदान करती है.

हालांकि, इन उपलब्धियों के बीच कुछ महत्वपूर्ण सवाल भी उठते हैं. क्या यह वृद्धि दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ है? क्या समितियों के पास पर्याप्त तकनीकी और प्रबंधन क्षमता है ? क्या किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य लगातार मिल पा रहा है? इन प्रश्नों के उत्तर ही इस मॉडल की वास्तविक सफलता तय करेंगे.

डेयरी क्षेत्र में केवल समितियों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है. इसके लिए पशुपालन की गुणवत्ता, पशुओं के स्वास्थ्य, चारा प्रबंधन और आधुनिक तकनीकों का उपयोग भी उतना ही आवश्यक है. यदि इन पहलुओं पर समानांतर रूप से ध्यान नहीं दिया गया, तो यह वृद्धि सीमित हो सकती है.

महिला भागीदारी भी इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आयाम है. डेयरी गतिविधियों में महिलाओं की भूमिका परंपरागत रूप से मजबूत रही है, लेकिन उन्हें औपचारिक रूप से सहकारी ढांचे में शामिल करना अभी भी एक चुनौती है. यदि महिला सदस्यता को प्राथमिकता दी जाए, तो यह न केवल आर्थिक, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में भी बड़ा कदम होगा.

कुल मिलाकर मध्यप्रदेश का डेयरी मॉडल एक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ता दिख रहा है. नई समितियों का गठन, निष्क्रिय इकाइयों का पुनर्जीवन और बढ़ता दुग्ध संकलन यह संकेत देता है कि यदि नीति, क्रियान्वयन और निगरानी में संतुलन बना रहा, तो यह क्षेत्र ग्रामीण समृद्धि का मजबूत आधार बन सकता है. अब आवश्यकता इस बात की है कि इस गति को बनाए रखते हुए गुणवत्ता और स्थायित्व पर भी समान रूप से ध्यान दिया जाए, ताकि सहकारिता का यह मॉडल वास्तव में 'समृद्ध गांव, सशक्त किसान' के लक्ष्य को साकार कर सके.

विंध्य की डायरी

किसान मोर्चा अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद बदले सियासी समीकरण

डॉ. रवि तिवारी

विंध्य में भाजपा की संगठनात्मक रणनीति आगामी चुनाव को देखते हुए तय की जा रही है. किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष पद पर प्रवीण त्रिपाठी की नियुक्ति के बाद एक नया समीकरण बनता दिख रहा है. अध्यक्ष पद पर ब्राम्हण समाज के चेहरे को आगे लाए जाने के बाद नये सियासी समीकरण बनने शुरू हो गए हैं. दरअसल प्रवीण राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की पसंद माने जा रहे हैं . संघ में प्रचारक की भूमिका का दायित्व निभा चुके हैं . संगठन का अच्छा खासा अनुभव है. नई जिम्मेदारी के साथ किसानों को पार्टी की विचारधारा से जोडने् एवं सरकार की कृषि योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की

बड़ी जिम्मेदारी होगी. किसान मोर्चा जैसे अहम संगठनात्मक मोर्च में नेतृत्व परिवर्तन से जिले में पार्टी विभिन्न मोर्चा के बीच संतुलन साधने की कोशिश कर रही है. एक बात साफ है कि यह दायित्व आगामी चुनाव को देखते हुए जातीय समीकरण का भी संतुलन कहा जा सकता है. नियुक्ति के बाद एक बात साफ हो गई है कि विंध्य में भाजपा अब मोर्चा के स्तर पर नये सिरे से समीकरण बना रही है. आने वाले समय में अन्य मोर्चा और पदों पर भी इसी तरह के बदलाव देखने को मिल सकते है. परिणाम स्वरूप जिले की सियासत में एक नई दिशा तय होगी. पार्टी सत्ता और संगठन में तालमेल बैठाने के साथ खाटी कार्यकर्ताओं के कंधों में जिम्मेदारी देने का मन बना चुकी है. किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष नियुक्ति के बाद सभी की नजरे अब आगे होने वाले संगठनात्मक विस्तार पर टिकी हुई है.

किसके सिर होगा युवा मोर्चा के अध्यक्ष का ताज

राजनीतिक नियुक्तियों के साथ विभिन्न मोर्चा पर भाजपा ने दायित्व देना शुरू कर दिया है. युवा मोर्चा अध्यक्ष पद को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है. किसके सर अध्यक्ष का ताज होगा यह भविष्य के गर्त में है लेकिन संगठन के भीतर कई नामों पर मंथन जारी है. जिन नामो पर चर्चा चल रही है वह सभी अपने स्तर पर संगठन और नेताओं की गणेश परिक्रमा करने में लगे है. लेकिन जिस तरह से पार्टी के अंदर दायित्व दिया जा रहा है उससे लग रहा है कि संघ की प्रष्ठिभूमि वाले नाम पर ही अंतिम मुहर लगेगी. कई नामों में उम्र का रोड़ा बन रहा है लिहाजा उम्मीद कम है. कुछ नाम ऐसे है जिन पर लगभग सहमति बन चुकी है. युवा मोर्चा का अध्यक्ष भी संघ से जुड़ा होगा. जल्द ही नाम की घोषणा होने वाली है लिहाजा अध्यक्षी को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है. आगामी चुनाव को देखते हुए युवा चेहरे पर ही पार्टी भरोसा जताएगी.

जिलाध्यक्ष चयन पर आप में बगावत

आम आदमी पार्टी के दिन इस समय अच्छे नही चल रहे है, पार्टी संगठनात्मक कमजोरी और आपसी खींचतान से जूझती नजर आ रही है. सिंगरौली में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर असंतोष खुलकर सामने आने लगा है. हाल ही में पार्टी के प्रदेश और केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा किये गये संगठनात्मक फेरबदल के बाद स्थानीय स्तर पर विरोध तेज हो गया है. दरअसल शहर इकाई में लालबाबू कुशवाहा और ग्रामीण क्षेत्र में रतीभान प्रसाद को जिला अध्यक्ष बनाए जाने के फैसले ने पार्टी के पुराने और जमीनी कार्यकर्ताओं में गहरी नाराजगी पैदा कर दी है. लिहाजा फैसले के विरोध में जिला उपाध्यक्ष चरणजीत कौर एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता अनिल शाह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. जिससे पार्टी को बड़ा झटका लगा है, अंदरूनी असंतोष अब सार्वजनिक रूप ले चुका है. सिंगरौली में पार्टी की स्थिति बिगड़ रही है संगठन में बढ़ी खींचतान अब खुलकर सामने आ गई है. तमाम परिस्थितियों के बाद भी नेतृत्व की चुप्पी समझ से परे है. जिस तरह से से स्थिति बन चुकी है उससे आने वाले समय में बड़ा राजनीतिक संकट खड़ा हो सकता है.

एफटीए से विकास की नई शुरुआत

पीयूष गोयल

> आज भारत ताकत और विश्वसनीयता की स्थिति के साथ वार्ता करता है. पहले के दशकों में व्यापार समझौतों को अक्सर संवेदनशील क्षेत्रों को अपर्याप्त सुरक्षा दिए बिना अंतिम रूप दिया जाता था, इसके विपरीत वर्तमान वार्ताएं सुनिश्चित करती हैं कि कृषि, डेयरी और अन्य संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह से सुरक्षित रहें. जैसे-जैसे भारत विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ अपनी सहभागिता को प्रगाढ़ कर रहा है, विकसित दुनिया के साथ हुए व्यापार समझौते इस तथ्य का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हैं कि व्यापार नीति को कैसे राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित किया जा सकता है, जिससे विकसित भारत 2047 का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में समावेशी वृद्धि और दीर्घावधि आर्थिक सुदृढ़ता सुनिश्चित होती है.

भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), जिस पर सोमवार को हस्ताक्षर किये जायेंगे, विकसित दुनिया के साथ भारत की सहभागिता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है. यह वैश्विक आर्थिक साझेदारियों को किसानों, महिलाओं, युवाओं और रोजगार सृजक उद्योगों के लिए ठोस लाभ में बदलने से जुड़े प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण में हुई निर्णायक प्रगति को प्रतिबिंबित करता है.

यह एफटीए प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं, जिसमें यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय संघ शामिल हैं, के साथ हुए कई ऐतिहासिक व्यापार समझौतों के बाद हो रहा है. ये समझौते वैश्विक बाजारों में भारत की स्थिति को मजबूत करते हैं और निर्यातकों को दुनिया की कुछ सबसे लाभकारी अर्थव्यवस्थाओं में, यहां तक कि वर्तमान वैश्विक अनिश्चितता और उथल-पुथल के बीच भी, प्रतिस्पर्धा आधारित बढ़त प्रदान करते हैं.

निर्यात और रोजगार को मजबूत बढ़ावा दोनों पक्षों के लिए समान रूप से लाभकारी इस समझौते के केंद्र में न्यूजीलैंड की यह प्रतिबद्धता है कि वह तुरंत ही सभी भारतीय उत्पादों पर शुल्क समाप्त कर देगा, जिससे उस बाजार में एक महत्वपूर्ण बाधा दूर होगी, जहाँ हमारे प्रमुख निर्यात पर वर्तमान में 10% शुल्क लगाया जाता है.

यह वस्त्र, कालीन, धागे, कपड़े, फुटवियर, बैग, बेल्ट, वाहन घटक, मशीनरी, उपकरण, रत्न और आभूषण तथा हस्तशिल्प जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है. रोजगार के अवसरों का सृजन करने वाले ये उद्योग भारत के एमएसएमई इकोसिस्टम की रीढ़ हैं और इन्हें मूल्य प्रतिस्पर्धा और बाजार पहुँच से लाभ मिलेगा. इससे निर्यात बढ़ेगा और निर्माण केन्द्रों, कारीगर समुदायों और लघु उद्यमों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा.

यह समझौता उस व्यापक दर्शन को प्रतिबिंबित करता है, जो 2014 में मोदी सरकार के गठन के बाद से भारत की व्यापार नीति का मार्गदर्शन कर रहा है. यह समावेश, सशक्तिकरण और साझा समृद्धि में निहित है. व्यापार को राष्ट्रीय परिवर्तन के उपकरण के रूप में देखा जाता है, जो किसानों, श्रमिकों, महिलाओं, युवाओं और वंचित समुदायों को लाभ पहुंचाता है.

नारी शक्ति- इस समझौते की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भारत का पहला महिला-नेतृत्व वाला एफटीए है. वार्ता टीम की लगभग सभी सदस्य महिलायें थीं. इनमें मुख्य वार्ताकार, उप मुख्य वार्ताकार, क्षेत्र प्रमुख और न्यूजीलैंड में भारत की राजदूत शामिल हैं.

यह उपलब्धि मोदी सरकार में महिलाओं के बढ़ते महत्व को दर्शाती है. यह शासन, नेतृत्व और विभिन्न क्षेत्रों में निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के व्यापक प्रयासों के अनुरूप है और राष्ट्रीय विकास के संचालक के रूप में नारी शक्ति के विचार को सुदृढ़ करती है.

किसान पहले- एफटीए की संरचना कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार की गयी है. न्यूज़ीलैंड कीवी, सेब और शहद के लिए कृषि उत्पादकता कार्ययोजनाओं का समर्थन करेगा. इन पहलों में बेहतर बीज सामग्री, अनुसंधान सहयोग, किसानों के लिए क्षमता निर्माण, बागवानी प्रबंधन प्रथाएं, कटाई के बाद सुधार, खाद्य सुरक्षा प्रणाली और उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना शामिल है. सेब उत्पादकों और सतत मधुमक्खी पालन तौर-तरीकों के लिए परियोजनाएं उत्पादन और गुणवत्ता मानकों को बढ़ाएंगी, जिससे कृषि समृद्धि में वृद्धि होगी.

इसके साथ ही, भारत ने अपने प्रमुख कृषि हितों की मजबूती से सुरक्षा की है. डेयरी उत्पादों (जैसे दूध, क्रीम, व्हे, दही और पनीर); प्याज, चना, मटर, मकई, बादाम, चीनी और कुछ खास तेल और वसा जैसी संवेदनशील वस्तुओं को शुल्क छूट से बाहर रखा गया है. समझौता सुनिश्चित करता है कि घरेलू किसान हानिकारक आयात प्रतिस्पर्धा से सुरक्षित रहें. किसानों और मछुआरों के हितों की रक्षा करना सभी व्यापार वार्ताओं में भारत के दृष्टिकोण का केंद्र रहा है.

युवा और पेशेवर- समझौते का एक प्रमुख स्तंभ छात्रों और कुशल पेशेवरों के लिए बढ़ी हुई आवागमन की सुविधा है, जो भारत के युवाओं के लिए नए वैश्विक मार्ग का निर्माण करती है.

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग

भारत को नर्क का द्वार कहना ट्रंप की घटिया सोच

भारत से आये प्रवासी आज अमेरिका की हाई स्किल इकोनॉमी की रीढ़ की हड्डी हैं. अमेरिका में पहली पीढ़ी के प्रवासी यहां की कुल आबादी के लगभग 13 से 14 प्रतिशत हैं और आज उनका अमेरिका के कुल जीडीपी में योगदान 15 से 17 फीसदी तक है.

'**पल** में तोला, पल में माशा' स्वाभाव वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक ही सांस में भारत को महान देश भी बताते हैं और प्रधानमंत्री मोदी को अपना सबसे अच्छा दोस्त भी कहते हैं. लेकिन उसी सांस में यह कहते भी नहीं झिझकते कि भारत और चीन अमेरिका के लिए 'नर्क का द्वार' हैं. ट्रंप ने कट्टरपंथी अमेरिकी लेखक और रेडियो होस्ट माइकल सैवेज की उस पोस्ट को शेयर किया, जिसमें सैवेज ने भारत और चीन को 'हेल होल' (नर्क का द्वार) बताया है. जिसमें मूलतः यह लिखा गया है कि जन्म के आधार पर अमेरिका में बच्चों को जो नागरिकता मिलती है, उसका भारत और चीन फायदा उठाते हैं और गर्भावस्था के समय में अमेरिका आकर बच्चों को जन्म देते हैं ताकि उन्हें तुरंत नागरिकता मिल जाए. ट्रंप की यह पोस्ट अपने किस्म का नस्लवाद है, जो भावनाएं भड़काने का काम कर रही है. गहराई से देखा जाए तो जो अमेरिका कुछ मुटठीभर प्रवासियों के चलते भारत को अपमानित करने की कोशिश कर रहा है, वही भारतीय आज की तारीख में अमेरिका की आर्थिक रीढ़ की हड्डी हैं. सिलिकॉन वैली से लेकर वॉलस्ट्रीट तक ये भारतीय ही हैं, जो आधुनिक टेक इंडस्ट्री को नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं. सुंदर पिचाई और सत्या नडेला भी भारतीय ही हैं, जिनका दिमागअमेरिकी टेक्नोलॉजी की दिशा तय कर रहा है. अगर अमेरिकी नागरिकों की आय, शिक्षा और टैक्स के योगदान में भारतीयों को देखें हम शीर्ष पर हैं. ऐसे में भारत को नर्क का द्वार कहना विकृत सोच होने का सबूत नहीं तो और क्या है? हाल के एक सर्वे के मुताबिक अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोग सबसे ज्यादा साइंस, टेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कार्यरत हैं और हाई स्किल या टेक्नोलॉजी में अमेरिका की अगुवाई कर रहे हैं. यही नहीं भारतीय सबसे ज्यादा इनकम ग्रुप में भी हैं. अगर समग्रता में देखें तो आज अमेरिका इनोवेशन, पेटेंट्स, एआई और स्टार्टअप्स में दुनिया का सिरमौर बना हुआ है, इसकी वजह भारतीय ही हैं.

-लोकमित्र गौतम

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

ब्रायन जानसन का मिशन 'मरो मत' सप्त चिरंजीव का देश है भारत

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, अमेरिका के अरबपति ब्रायन जानसन ने मौत को चकमा देने के लिए 'डोन्ट डाई' मिशन शुरू किया है. इसका अर्थ है 'मरना मत अभियान' ! वह अपना संपूर्ण भोजन सुबह 6 से 11 बजे तक कर लेते हैं जिसमें 1977 कैलोरी तथा 100 से ज्यादा सप्लीमेंट होते हैं. वह अपना वजन, बोन डेंसिटी, हार्ट रेट और मसल्स की मजबूती चेक करते हैं. अपनी त्वचा का रंग उजला रखने के लिए ब्लू लाइट थेरेपी लेते हैं. 10 मिनट मेडिटेशन करते हैं. रात 8.30 बजे तापमान नियंत्रित बिस्तर पर लेटते ही 3 मिनट में सो जाते हैं. वह 47 साल के हैं लेकिन उनका दिल 37 वर्षीय व्यक्ति जैसा है. त्वचा भी 29 वर्ष के युवा जैसी है. वह अपने इस 'मरो मत' मिशन का संदेश देने हाल ही भारत आए थे.'

हमने कहा, 'भारतवासियों को उनकी सलाह या संदेश की कोई जरूरत नहीं है. ब्रायन जानसन यदि हिंदू धमग्रंथों को पढ़ें तो चौंक जाएंगे. हमारे देश में 'सप्त चिरंजीव' की धारणा है. ऐसे 7 लोग हैं जो अमर माने जाते हैं. इनके नाम

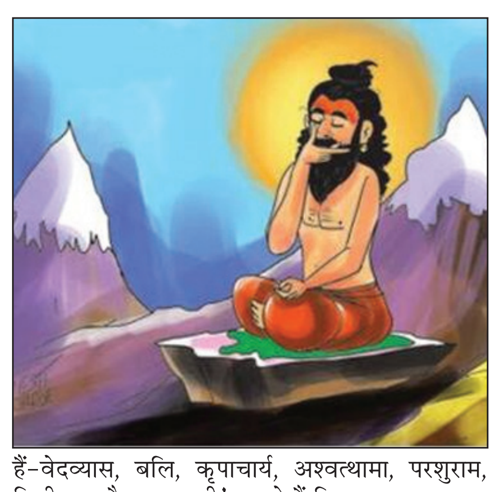

हैं-वेदव्यास, बलि, कृपाचार्य, अश्वत्थामा, परशुराम, विभीषण और हनुमानजी'. कहते हैं कि अश्वत्थामा आज भी विंध्याचल के पहाड़ी क्षेत्र में घूमा करता है. आल्हा ऊदल जैसे वीर भाइयों में से आल्हा अमर है जो रात में आकर मैहर की शारदा मैया की पूजा करता है. मार्कंडेय मुनि को शंकरजी ने प्रचंड दीर्घायु का वरदान दिया था. वे सभी चारों युगों में बने रहेंगे. संत ज्ञानेश्वर को चुनौती देने शेर पर सवार होकर योगी चांगदेव आए थे जिनकी आयु 400 वर्ष थी. वाराणसी में निवास करनेवाले महान योगी तैलंग स्वामी की उम्र 300 वर्ष से भी अधिक थी.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, महाभारत काल में भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य और जयद्रथ के पिता भगदत्त की आयु 150 से लेकर 200 वर्ष के आसपास थी. तब पर्यावरण स्वच्छ था. आज के समान प्रदूषण और इन्फेक्शन नहीं था. राजा ययाति ने अपने पुत्र की जवानी मांगकर अपना बुढ़ापा उसे ट्रांसफर कर दिया था. अश्विनी कुमारों ने च्यवन ऋषि की वृद्धावस्था दूर कर उन्हें युवा बना दिया था. यह उस समय के च्यवनप्राश का कमाल था. अमेरिकी अरबपति ब्रायन जानसन भारत से चाहे जितना च्यवनप्राश ले जा सकते हैं जिससे उन्हें और युवा होने में मदद मिलेगी.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12240

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3		■	4	5	6
7			■	8			
	■	9			■		■
10	11		■	12	13		14
■		■	15			■	
16				■	17		
■		■	18	19		■	
20					■	21	

ऊपर से नीचे

1. जगमगाता हुआ, चमकीला 2. सेना, फौज का दस्ता 3. कृष्ण के चार घोड़ों में से एक का नाम 4. राजा का मुकुट (उर्दू) 5. गरजना, बिजली कौंधने की आवाज होना 6. अनेक प्रकार के, अनेक, माता का पिता 8. उपालंभ11. देश निकाले का दंड पाया हुआ, निर्वासित (उर्दू) 13. यमपुरी (सं.) 14. लहरोंवाला, जो बल खाता गया हो, वक्र गति से जाने वाला 15. जनक की पत्नी का नाम, रानी (सं.) 19. निषिद्ध, वर्जित (उर्दू)

बाएं से दाएं

1. भंवर (सं.) 4. स्थिर दृष्टि से ध्यानपूर्वक देखना 7. मिट्टी का बर्तन जिसमें पौधे लगाए जाते हैं 8. वीरान होना, बर्बाद होना 9. आक्रमण, धावा (उर्दू) 10. तिलपपड़ी (उर्दू) 12. एक प्रकार की तोप जो घोड़ों द्वारा खींची जाती थी 15. यश, ख्याति (सं.) 16. सचेत, सतर्क, होशियार (सं.) 17. लोहे का काम करने वाली एक उपजाति 18. एक शब्दालंकार जिसमें एक ही शब्द कई बार भिन्न-भिन्न अर्थों में आता है (सं.) 20. घोड़े का बोलना 21. दरवाजा (सं.)

Solution 12239

झु	ल	सा	ना	■	फ	ड़	क
र	■	द	ल	दा	र	■	वि
मु	ख	र	■	स	मा	न	ता
ट	र	■	हि	■	इ	ष्ट	■
■	■	■	आ	दे	श	■	इ
आ	ह	त	■	न	■	आ	जा
दा	वा	न	ल	■	फा	लि	ज
न	■	ना	च	रं	ग	■	त

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में साझेदारी में विवाद एवं व्यवसाय में हानि होगी. वाणी में कठोरता तथा क्रोध में वृद्धि होगी. व्यय और संतान की चिन्ता से मन विचलित रहेगा. वर्ष के मध्य में राज्य सम्मान मिलेगा. सामाजिक तनाव बना रहेगा. वर्ष के अन्त में शासन सत्ता का सुख प्राप्त होगा. अध्ययन में मन लगेगा.

मेषऔर वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को राज्य से सम्मान मिलेगा. प्रभाव में वृद्धि होगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को साझेदारी में विवाद एवं व्यवसाय में नुकसान होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को व्यय और संतान की चिन्ता रहेगी. मन विचलित रहेगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को शासन सत्ता का सुख मिलेगा. क्रोध की अधिकता रह सकती है. सिंह राशि के व्यक्तियों का ध्यान रखना हितकर रहेगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक करना होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिये बालक का स्वाभाव शशांतिप्रिय रहेगा, गंभीर तथा महत्वाकांक्षी होने के कारण शीघ्र ही उन्नति करेगा, बालक हंसमुख, मिलनसार, और दूसरों की सदैव मदद करने वाला होगा, माता का भक्त होगा, जीवन में माता पिता का नाम रोशन करेगा, प्रशासनिक सेवा में जा सकता है.

उदयकालीन ग्रह चाल

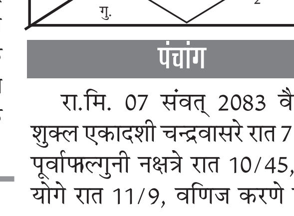

मेष- कार्यस्थल पर नई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, आर्थिक यात्रा हो सकती है, भाई बंधुओं को कामकाज में यथेष्ट सहयोग मिलेगा.

वृषभ- आपका पूरा ध्यान परिवार की जरूरतें पूरा करने की ओर रहेगा, नये व्यापारिक सौदे होंगे, मानसिक संतोष रहेगा, दिनचर्या अनियमित रहेगी.

मिथुन- प्रियजन के साथ समय बिताकर अच्छा लगेगा, आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी, प्रिय व्यक्ति से मुलाकात होगी.

कर्क- लेनदेन में लापरवाही की तो हानि की संभावना है, कूटनीति से काम लें,परिश्रम की अधिकता रहेगी, अतिथि आगमन हो सकता है.

सिंह- नई तकनीक से कारोबार में उन्नति हो सकती है, समाज में मान सम्मान बढ़ेगा, आर्थिक संसाधनों में वृद्धि होगी, सामाजिक सेवा कार्यों में यश मिलेगा.

कन्या- समय के अनुरूप कार्यशैली में बदलाव करना लाभकारी है, विरोधियों से बच कर रहें, नौकरी में तरक्की होगी, महत्वपूर्ण कार्यों के बनने का योग है.

तुला- दूसरों के मामले में व्यर्थ का हस्तक्षेप न करें, सेहत का उतार चढ़ाव बना रहेगा, मातृपक्ष से कोई विशिष्ट समाचार मिलेगा, लाभांवित होने का योग है.

वृश्चिक- नई योजना में सोच समझकर निवेश करें, भावनात्मक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी,स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें, व्यर्थ विवाद को टालने का प्रयास करें.

धनु- आय व्यय में संतुलन बनाये रखें, प्रियजन से मुलाकात यादगार रहेगी, व्यापार में उन्नति होगी, निजी कार्यों में लगनशीलता रहेगी.

मकर- नए कार्यो के लिये जरूरी धनकी व्यवस्था कर लेंगे, बुजुर्गो के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, आमोद प्रमोद के साधन उपलब्ध रहेंगे, समय पर कार्य पूर्ण होगा.

कुम्भ- तालमेल की कमी से कामकाज में देरी हो सकती है, पुराना विवाद सुलझने की उम्मीद है, शिक्षा संबंधित कार्यो में लाभ प्राप्त होगा, अनायास दूर की यात्रा होगी.

मीन- मित्रों से किया गया वायदा निभाने में मुश्किल होगी, वैवाहिक चर्चाओं में सफलता मिलेगी,उपहार आदि की प्राप्ति होगी, पिता पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा.

पंचांग

रा.मि. 07 संवत् 2083 वैशाख शुक्ल एकादशी चन्द्रवासरे रात 7/43, पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्रे रात 10/45, ध्रुव योगे रात 11/9, वणिज करणे सू.उ. 5/34, सू.अ. 6/26, चन्द्रचार सिंह रातअंत 4/52 से कन्या, पर्व- मोहिनी एकादशी व्रत, शु.रा. 5,7,8,11,12,3 अ.रा. 6,9,10,1,2,4 शुभांक- 7,9,3.

व्यापार भविष्य

वैशाख शुक्ल एकादशी को पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र के प्रभाव से तांबा, पीतल, आदि में तेजी जोरदार होगी, गेहूँ, जौ, चना, उडद, मूँग, मोठ, आदि में समता का योग है, रूई, कपास, सरसों, अरंडी, सींगदाना,, बाजार में सामान्य तेजी होगी, भाग्यांक 9518 है.

SUDOKU 7372

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7371

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1